हिन्दी Hindi Class 11 Important Question Chapter 7 उसकी माँ

1. लेखक घबरा क्यों गए थे?

उत्तर: शहर के पुलिस सुपरिटेंडेंट लेखक के घर बेवजह और बेवक्त आ गया था जिसके कारण लेखक घबरा गए थे।

2. लाल के माता और पिता कौन थे?

उत्तर: लाल की मां जो अब बुढि हो चुकी है का नाम जानकी था और उस उसके पिता का नाम रामनाथ था जिनकी मौत लगभग सात आठ साल पहले हो गई थी।

3. पुलिस पति ने लेखक से क्या निवेदन किया ?

उत्तर: पुलिस पति ने धीरे से कहा कि मैं मित्रता से आपसे निवेदन करता हूं आप इस परिवार से दूर और से सावधान रहें।

4. सरकार की तारीफ में लेखक ने जानकी से क्या कहा?

उत्तर: लेखक ने जानकी से कहा यह सरकार धर्मात्मा, विवेकी और न्याय का पालन करने वाली है। यह बिना मतलब किसी के पीछे नहीं पड़ती।

5. लाल के पीछे सरकार के पड़े होने की मुख्य वजह क्या थी?

उत्तर: लाले खुले विचारों वाला व्यक्ति था वह सरकार के विरुद्ध आंदोलन करता रहता था।क्योंकि उसे सरकार की नीतियां पसंद नहीं आती थी इसलिए सरकार उसके पीछे पड़ी थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

6. लाल क्या करना चाहता था?

उत्तर: लाल का मानना था जो व्यक्ति समाज या राष्ट्र के नाश पर जीता हो उसे खत्म हो जाना चाहिए। सरकार अपनी गलत नीतियों को त्याग कर समाज के हक में कोई काम नहीं कर रही थी। इसलिए लाल चाहता था सरकार समाज के हक में काम करें।

7. लेखक और लाल के विचारों में क्या फर्क था?

उत्तर: लेखक कट्टर राज भक्त था और जबकि लाल खट्टर राजविद्रोही था। लेखक और लाल दोनों अलग और बिल्कुल एक दूसरे के विपरीत थे जैसे एक रस्सी के दो सिरें हो लेखक पद के लालच में सरकार के पक्ष में रहते थे जबकि लाल समाज की भलाई के लिए सरकार के विपक्ष में था।

8. पुलिस वालों के लिए लड़कों के विचार क्या थे?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: लड़कों का मानना था कि पुलिस अत्याचारी और नीच होती है । पुलिस को जिस पर भी शक हो जाए चाहे वह भला आदमी हो उनको पकड़ कर मारती है और सताती है। ऐसी शासन प्रणाली को स्वीकार करना खुद की आत्मा, को परमात्मा को, धर्म को,और कर्म को भुलाना है।

9. सरकार पढ़ने लिखने नहीं देती ऐसा लड़के ने क्यों कहा?

उत्तर: लड़के ने कहा सरकार गरीबों का खून को चूस कर सेना के नाम पर पले हुए पशुओं को कबाब से, शराब से, मोटा ताजा रखती है और हमें पढ़ने लिखने नहीं देती ताकि पढ़ लिख कर हम स्वाधीनता के राग ना गाने लगे और जब हम शासन प्रणाली की गंदगी के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करें तो वह अपनी सेना के द्वारा उनको कुचल सके।

10. लाल के घर में पुलिस ने क्या क्या खोज कर निकाला था?

उत्तर: लाल के घर में 12 घंटे तक तलाशी चली थी और इस तलाशी में बहुत ही भयानक चीजें निकली थी जिनमें से कारतूस, पिस्तौल और प्रत्र थे जो उन पर हत्या, षड्यत्र और सरकारी राज्य को उल्टने की चेष्टा आदि के अपराध के लिए अच्छे सबूत थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

11. लाल का कैसे स्वभाव का लड़का था?

उत्तर: लाल जिद्दी और स्वतंत्र विचारधारा वाला लड़का था जो अपनी देशभक्ति के जुनून मेंअपने जीवित रहने तक देश को आजाद कराने के लिए प्रत्यनशील रहा। अंग्रेजी सरकार उसके क्रांतिकारी स्वभाव के कारण उसे राजद्रोही कहती थी। क्रांतिकारी होने के कारण सरकार उस पर शक करती थी पर उसने कभी भी सरकार के विरुद्ध कोई षड्यंत्र नहीं रचा। उसमें देश भक्ति कुट – कूट कर भरी थी और अपने देश को आजाद कराने के लिए जीना चाहता था।

12. लाल की मां और भारत माता में क्या क्या समानताएं हैं?

उत्तर: लाल की मां जानकी और भारत माता में बहुत सारी समानताएं हैं जिस प्रकार भारत माता ने कभी किसी के आगे झुकना नहीं सीखा उसी तरह लाल की मां जानकी भी कभी किसी के आगे नहीं झुकी बल्कि उसने अपना सारा कुछ बेचकर अपने बच्चों के लिए कोशिश करती रही और कभी हार नहीं मानी। जिस प्रकार भारत माता अपने बच्चों की चिंता करती है उसी तरह जानकी भी अपने बच्चों की चिंता करती है। जानकी के सफेद बाल हिमालय की तरह है और उसके ललाट पर जो बल पड़ते हैं वह नदियों की तरह प्रतीत होते हैं और जानकी की ठोढ़ी कन्याकुमारी के जैसी लगती हैं। जानकी भी भारत माता की तरह त्याग की मूर्ति है और वह अपने बच्चों और मित्रों से बहुत प्यार करती है ।जानकी के अंदर भारत माता की तरह ही स्वाभिमान कूट-कूट कर भरा है मैं अपने बच्चों के लिए भारत माता की तरह कुछ भी करने को तैयार है।

13. राष्ट्र नाशक व्यक्ति को लाल खुद अपने हाथों से क्यों माना जाता है?

उत्तर: लाल शासन के गुलाम बनाकर रखने वाली व्यवस्था से बहुत परेशान है। लाल समझता है कि राष्ट्र लाल के जीवन को गुलामी की बेड़ियों बनाकर अपना पोषण करती है। जो राष्ट्र उसमें रहने वाले व्यक्ति का कल्याण करने के स्थान पर अहित करती है उसका नाश मेरे द्वारा होना चाहिए। हमें ऐसे राष्ट्रीय शासन व्यवस्था का साथ

https://www.evidyarthi.in/

नहीं देना चाहिए जो व्यक्ति को गुलाम बनाकर राष्ट्र अपना पोषण करता है।यदि उसके नाश के लिए मनुष्य प्रयास करता है तो वह उचित है उसे गलत नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए लाल कहता है मैं यह पुरस्कार अपने माथे पर लेना चाहता हूं।

14. चाचा एवं लाल के मानसिकता और कर्म दोनों पर तर्कसंगत टिप्पणी करें।

उत्तर: लाल की मानसिकता चाचा से श्रेष्ठ है यदि सब लोग चाचा के जैसे होते तो देश अब तक गुलाम रहता ऐसे हजारों लड़के जो लाल की तरह अपने जीवन की कुर्बानी देकर हमारे देश को आजादी आजाद कर गए हैं हम हमारी नजर में लाल के सही पद पर होने के बहुत से कारण हैं लाल अपने देश के उस युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहा है जो उन्हें देश से आधार प्रेम करता है यह यह देखकर लगता है कि देश के लिए आजादी ऐसे ही नहीं मिल गई इसके पीछे बहुत से लाल जैसे युवाओं ने अपनी कुर्बानी दी है।

15. पाठ के आधार पर शासन तंत्र और समाज व्यवस्था के बारे में अपनी टिप्पणी करें ?

उत्तर: पाठ के आधार पर अगर हम देखें तब यह पता चलता है कि सरकारी निकम्मी और समाज की व्यवस्था बिल्कुल ही खस्ता हालत में थी। समाज में भय का माहौल है क्रांतिकारी की सहायता करने वाले को कोई भी मार डालता था। समाज की व्यवस्था बहुत ही क्रूर तथा तानाशाही थी। सरकार को जिस पर शक होता था उसी को पकड़ कर मारती थी और सताती थी। समाज के लोगों में किसी प्रकार की कोई एकता नहीं थी। सबको खुद से ही मतलब था। समाज के लोगों के भीतर निजी स्वार्थ विद्यमान था। क्रांतिकारी का कोई साथ नहीं देता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

16. पुलिस के बारे में लड़कों की क्या राय थी?

उत्तर: पुलिसके बारे में लड़कों के राय थी कि पुलिस मात्र शक होने पर सीधे साधे लोगों को उठा लेती थी और उन्हें मारती थी तथा विभिन्न प्रकार की यातनाएं देती थी। लड़के सरकार की और पुलिस की गुंडागर्दी और मनमानी से परेशान थीऔर उनका मानना था पुलिस का काम चोरों को, अपराधियों को पकड़ना है ना कि भोले-भाले लोगों को तंग करना है और पुलिस कर्तव्य भाव से विमुख है। लड़कों का कहना था शासन प्रणाली के दोषों को देखते हुए उनको स्वीकार ना करें और इन को चुनौती दे और जो चुप रहते हैं वह अपने कर्म को, धर्म को, परमात्मा को तथा आत्मा को भुला देते हैं और आखिर में वह खत्म हो जाते हैं।

17. कार्य की इच्छा प्रबल हो तो ईश्वर हमारे साथ हो जाता है लाल के व्यक्तित्व पर यह बातें क्यों सटीक बैठती हैं?

उत्तर: लाल एक स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। देश को स्वतंत्र कराने के लिए वह अपनी जान हथेली पर लेकर चलते थे।वे अपने चाचा को कहते थे यह प्रकृति का नियम है जिसने आज हमें बनाया है वह कल बिगड़ जाएगा उसे बिगड़ने से कोई नहीं रोक सकता और प्रकृति के नियम को हम मिटा नहीं सकते। यदि हमने किसी कार्य को करने का बीड़ा उठाया है तो हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि अब पूरा होगा या नहीं चाहे उसमें हमारी जान का भी खतरा हो ।यह सारी बातें हमारी कमजोरी की निशानी है हमें इन कमजोरियों पर विजय पाप्त करनी चाहिए और बिना डर के कार्य करना चाहिए जब हम मजबूत होकर कार्य करते हैं तो ईश्वर भी हमारे साथ हो जाता है।

18. चाचा लाल का नाम पुस्तक से क्यों मिटा देना चाहते थे?

उत्तर: चाचा एक दुर्बल व्यक्ति है। चाचा लाल का नाम पुस्तक से इसलिए मिटा देना चाहते थे क्योंकि लाल का नाम उन्हें एहसास दिलाता थाकि वह् एक देशभक्त और क्रांतिकारी की मां की मदद नहीं कर पाए।लाल का नाम उन्हें उनकी लाचारी तथा गुलामी का एहसास कराता था। लाल ने अपने देश के लिए खुद को कुर्बान कर दिया था और अब उसकी बूढ़ी मां अकेली और बेसहारा थी। चाचा लेखक की मां की मदद करना चाहते थे मगर ब्रिटिश सरकार से दुश्मनी मोल नहीं लेना चाहते थे। शासन के विरुद्ध कुछ भी ना कर पाने की लाचारी उस आत्मग्लानि से भर देती थ और उसका दिमाग काम करना बंद कर देता था। जब वे लाल का नाम पढ़ते तो उनकी आंखों के सामने सुप्परिडेंट की तस्वीर घूमने लगती थी। शासक के विरुद्ध कुछ करने की सोच से उनका सास रुक जाता था।

19. इस कहानी में लेखक ने जानकी के माध्यम से एक मां के मनोभाव को कैसे व्यक्त किया है ?

उत्तर: जानकी एक ऐसी मां है जिसका संबंध शासन तंत्र,राजनीतिक व्यवस्था से नहीं है। वह राजनीतिक मुद्दों, आजादी के नारों और शासन की कार्रवाईयों से अनजान है। लेखक इस कहानी में एक माँ के निस्वार्थ प्रेम को दर्शाता हैऔर दिखाना चाहता है वात्सल्य प्रेम का भाव जो बिना किसी तर्क और कुतर्क से मनुष्य को मां के रूप में प्राप्त होता है । एक माँ के लिए उसकी संतान हर चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण होती है । वह संतान के प्रति प्रेम का भाव रखती है। इस पाठ में एक मां की ममता, करुणा और त्याग का यथार्थ चित्रण किया गया है इसलिए लेखक की कहानी लाल के मां जानकी के आले- दुलाले घूमती है। यह कहानी एक मां की मनोदशा को व्यक्त करती है।

20. चाचा ने किस भय की वजह से लाल और उसकी मां की मदद नहीं की?

उत्तर: चाचा एक मामूली, साधारण और सीधा सदा जीवन व्यतीत करने वाला सीधा सादा व्यक्ति था। ज़िसे देश की स्वतंत्रता और गुलामी से को कोई मतलब नहीं था। चाचा लाल का पड़ोसी है और दोनों के प्रति सहानुभूति और ममता रखता था। परंतु वह ब्रिटिश सरकार से डरता था। यदि वह उनकी मदद करने गया तो सरकार उन्हें गिरफ्तार कर लेगी और सजा देगी। वह ब्रिटिश सरकार के भय के कारण चाचा ने जानकी और उसके बेटे लाल की कोई मदद नहीं की। अपने आप को और अपने परिवार को, अपने पद को ब्रिटिश सरकार के प्रकोप से बचाना चाहते थे इसलिए उन्होंने लाल और उसकी मां की कोई मदद नहीं कर पाए।

https://www.evidyarthi.in/